लखनऊ विश्वविद्यालय University of Lucknow (Accredited A++ by NAAC)

University in News on 19 May 2023

NBT PAGE 4

इस बार तीन पालियों में हो सकती हैं एलयू की परीक्षाएं

एमबीए, बीटेक और विधि की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह में संभव

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ : एलयू की ईडीयू रैंक में सुधार होने पर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को सभी अधिष्ठाता और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में वीसी ने सभी शिक्षकों से जल्द कोर्स खत्म करने और समय से परीक्षा कराए जाने को लेकर निर्देश दिए। बैठक के दौरान वीसी ने इस बात के संकेत दिए कि एलयू तीन पारियों में परीक्षाएं करा सकता है।

बैठक में एलयू वीसी ने सभी शिक्षकों से कहा कि एमबीए, बीटेक और विधि की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह से और बीकॉम थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा जून में शुरू हो सकती हैं। वीसी के मुताबिक, परास्नातक परीक्षा में 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें से परीक्षार्थियों को 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। जबकि स्नातक स्तर पर विषम सेमेस्टर में बहुविकल्पीय परीक्षा कराई जाएगी।

'प्रतिभागियों को शिक्षक अपने घर में रुकवाएंगे' : बैठक में वीसी ने जनवरी 2024 में होने वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने विवि के सभी शिक्षकों से अपील की कि अपने स्तर से जो मदद कर सकते हैं, वह करें। भारतीय साइंस कांग्रेस में काफी संख्या में लोग प्रतिभाग करते हैं। लिहाजा शिक्षक अपने घर में प्रतिभागियों को रुकवा सकते हैं। वीसी ने अपील की है कि कोई शिक्षक ऐसा करना चाहता है तो वह गूगल फॉर्म के जरिए समस्त जानकारी विवि से शेयर करे ताकि अधिवेशन की तैयारियों को संपन्न कराने में सहायता मिले। भारतीय साइंस कांग्रेस के लिए एलयू के एपी सेन हॉल का नवीनीकरण भी कराया जा रहा है।

बीबीएयू में हर बुधवार को नो वीइकल जोन

■ एनबीटी सं., लखनऊ
पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए बीबीएयू प्रशासन ने सप्ताह में एक दिन परिसर को नो वीइकल जोन रखने का फैसला लिया है। इसके तहत अब हर बुधवार को परिसर में वाहनों को अनुमति नहीं दी जाएगी। वीसी प्रो. संजय सिंह के अनुसार बुधवार की सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक परिसर में वाहन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में वाहनों को सुबह साढ़े नौ बजे से पहले कार्यस्थल के पास पार्क करना होगा। इसके बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

एलयू में स्टूडेंट्स ने देखीं पांडुलिपियां

■ एनबीटी सं, लखनऊ : अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर एलयू के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में गुरुवार को स्टूडेंट्स को संग्रहालय में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यहां स्टूडेंट्स को प्रागैतिहासिक उपकरणों, पूर्व मध्यकाल तक की कलाकृतियों, पुरावशेषों, शैलकृत वास्तु, स्तूप, मंदिरों की प्रतिकृतियों और पांडुलिपियों के बारे में बताया गया। इस बीच 'सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में संग्रहालयों की भूमिका' पर हुई निबंध प्रतियोगिता में अरिंदम चतुर्वेदी और श्रद्धा यादव पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

सिंधु से पूर्व मध्यकाल तक की पांडुलिपियां छात्रों ने देखी

संग्रहालय दिवस

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के कई विभागों में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया गया। इसके मद्देनजर प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में निबंध प्रतियोगिता हुई। इसमें 25 विद्यार्थियों ने 'सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में संग्रहालयों की भूमिका' पर अपने विचार लिखे।

इसमें बीए एनईपी चतुर्थ सेमेस्टर के अरिंदम चतुर्वेदी प्रथम रहे। जिसके बाद छात्रों को संग्रहालय के विषय के बारे में बताया गया। साथ ही विभागीय संग्रहालय में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यहां छात्रों को प्रागैतिहासिक उपकरणों, सिंधु सरस्वती सभ्यता काल से लेकर पूर्व मध्यकाल तक के कलाकृतियों, उत्खनित पुरावशेषों, शैलकृत वास्तु, स्तूप, मंदिरों की प्रतिकृतियों तथा पांडुलिपियों से अवगत कराया गया।

पूरे दिन खुला बाघ संग्रहालय: जंतु विज्ञान विभाग में पूरे दिन डॉ. एससी बाघ संग्रहालय खुला रहा। इस मौके पर एक व्याख्यान भी रखा गया था। यहां शिक्षिकाओं ने संग्रहालय दिवस की थीम संग्रहालयः स्थिरता और भलाई पर अपनी राय रखी। विभाग की प्रो. अमिता कनौजिया द्वारा सूचनात्मक और इंटरैक्टिव संबोधन दिया गया।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: एमबीए, बीटेक और लॉ परीक्षाएं इसी माह संभव

बैठक

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में एमबीए, बीटेक और विधि की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह और बीकॉम छठे सेमेस्टर की परीक्षा जून में शुरू हो सकती हैं। रूसा के अंतर्गत आने वाले सभी विभाग प्रस्ताव भेजें। अपने यहां पूर्व छात्रों के सेल को विकसित करें। विभागीय एकेडमिक ऑडिट को पूरा कराएं। यह बातें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहीं।

वह गुरुवार को व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में एलयू के सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयकों संग बैठक कर रहे थे। कुलपति प्रो. आलोक राय ने सभी विभागाध्यक्षों व निदेशकों से जल्द पाठ्यक्रम पूरा कराने को कहा। जिससे परीक्षाएं जल्दी संपन्न कराई जा सकें। प्रो. राय ने बताया कि परास्नातक परीक्षा में 10 प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से 5 के उत्तर देने होंगे। जबकि स्नातक स्तर पर इस सेमेस्टर में बहुविकल्पीय परीक्षा कराई जाएगी। स्नातक स्तर पर परीक्षा तीन पालियों में हो सकती है।

10 प्रश्न पूछेंगे पीजी परीक्षा में, पांच के जवाब देने होंगे

अगले साल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू अगले साल जनवरी में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अधिवेशन कराने जा रहा है जो 14 सेक्शन में होगा। अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए हैं। सात और सेक्शन में अन्य विषयों की संगोष्ठी आयोजित कराई जाएंगी। कुलपति ने कहा कि अपने अपने पाठ्यक्रम में छात्र संख्या पर विशेष ध्यान दें। एक समय था जब ओरिएंटल पर्शियन में तीन-चार छात्र रहते थे लेकिन वहां के शिक्षक डॉ. सुभान आलम के प्रयास से वर्तमान में लगभग 144 छात्र और छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं।

i-NEXT PAGE 4

स्नातक के सेमेस्टर एग्जाम तीन पालियों में कराने की तैयारी

एलयू वीसी ने डीन व हेड की बैठक में दी जानकारी

LUCKNOW (18 May): लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक की आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के संचालन में बड़ा बदलाव कर सकता है. यह परीक्षाएं अब दो की जगह तीन पालियों में कराने की तैयारी है. इसको लेकर मंथन चल रहा है. जल्द ही निर्णय लिया जाएगा. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने गुरुवार को व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में हुई डीन, हेड व निदेशकों की बैठक में यह जानकारी साझा की.

अभी दो पालियों में एग्जाम

अभी तक दो पालियों में स्नातक की परीक्षाएं होने से काफी दिनों तक इसका संचालन होता है. कुलपति ने सभी विभागों से कहा कि पाठ्यक्रम जल्द पूरा करा लें, जिससे परीक्षा जल्दी संपन्न कराई जा सके. परास्नातक परीक्षा में 10 प्रश्न पूछे जाएंगे. इसमें पांच प्रश्न के उत्तर देने होंगे. वहीं, स्नातक स्तर पर इस सेमेस्टर में भी बहुविकल्पीय परीक्षा कराई जाएगी.

एमबीए, बीटेक, लॉ के एग्जाम इसी माह से

एमबीए, बीटेक और विधि सम सेमेस्टर की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह से शुरू हो सकती हैं. वहीं, बीकाम छठे सेमेस्टर की परीक्षा जून में शुरू कराने की तैयारी चल रही है. कुलपति ने कहा कि सभी विभाग पाठ्यक्रम में छात्र संख्या पर विशेष ध्यान दें. एक समय था जब ओरिएंटल पर्शियन में तीन चार छात्र रहते थे, लेकिन वहां के शिक्षक डा. सुभान आलम के प्रयास से वर्तमान में लगभग 144 छात्र अध्ययन कर रहे हैं.

सभी विभाग अवश्य कराएं सेमिनार

कुलपति ने कहा कि वाणिज्य और वनस्पति विभाग तरह अन्य सभी लोग भी अपने यहां सेमिनार अवश्य करें. इस अवसर पर सभी विभागों से अपेक्षा है कि वे रूसा के अंतर्गत आने वाले अपने प्रस्ताव को शीघ्र भेज दें. अपने यहां पूर्व छात्रों के सेल को विकसित करें और विभागीय एकेडमिक आडिट को पूर्ण कराएं.

हर शिक्षक करे सहयोग

जनवरी 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में 14 सेक्शन होंगे. सात और सेक्शन में अन्य विषयों की संगोष्ठी आयोजित कराई जाएंगी. कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से अपेक्षा की कि अपने स्तर से जो जैसा सहयोग कर सकता है वह करें. यदि कोई शिक्षक अपने घर में किसी छात्र या शिक्षक प्रतिभागी को ठहरने की व्यवस्था कर सकता है तो वह गूगल फार्म के जरिए सभी जानकारी विश्वविद्यालय से शेयर करें.

संग्रहालय दिवस पर हुई प्रतियोगिता

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर गुरुवार को निबंध प्रतियोगिता हुई. सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में संग्रहालयों की भूमिका विषय पर हुई प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया. प्रथम पुरस्कार बीए एनईपी चौथे सेमेस्टर के छात्र अरिंदम चतुर्वेदी को पहला, बीए आनर्स की छात्रा श्रद्धा यादव को दूसरा व बीए के छात्र एकांश अवस्थी, राजन केसरी को तीसरा पुरस्कार मिला. प्रतियोगिता के बाद छात्रों को संग्रहालय के विषय में जानकारी देकर विभागीय संग्रहालय में शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया. इसमें छात्रों को सिंधु सरस्वती सभ्यता काल से लेकर पूर्व मध्यकाल तक के कलाकृतियों, स्तूप एवं मंदिरों की प्रतिकृतियों तथा पांडुलिपियों से अवगत कराया गया.

कक्षा व्यवस्था पर हुआ व्याख्यान

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में गुरुवार को कक्षा व्यवस्था में बहुसंस्कृतिवाद और संस्कृति उत्तरदायी पर व्याख्यान आयोजित किया गया. शिक्षा विभाग के अध्यक्ष व डीन प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह व्याख्यान हमारे संकाय और छात्रों को समावेशी और न्यायसंगत कक्षा वातावरण बनाने पर मूल्यवान दृष्टि प्रदान करेगा. गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से डा. इंद्रजीत दत्ता ने बताया कि कैसे शिक्षक इन अवधारणाओं को अपनी शिक्षण रणनीतियों में शामिल कर सकते हैं. व्याख्यान में डा. किरण लता डंगवाल, डा. आकांक्षा सिंह व संकाय के अन्य सदस्यो व छात्रों ने हिस्सा लिया.

50 से अधिक उम्र तो नहीं बन सकेंगे समन्वयक

एलयू के कुलसचिव ने सभी विभागों एवं कालेजों को पत्र जारी कर मांगे आवेदन

LUCKNOW (18 May): राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में समन्वयक के पद पर नियुक्ति के लिए 31 मई तक आवेदन मांगे गए हैं. विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में सह आचार्य या सहायक आचार्य पद पर कार्यरत शिक्षक आवेदन के लिए पात्र हैं. कुलसचिव संजय मेधावी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कालेजों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया है.

31 तक पहुंचना अनिवार्य

एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक के चयन के समय आवेदन की उम्र 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए. आवेदन पत्र पंजीकृत डाक से कुलसचिव के पास 31 मई तक पहुंचना अनिवार्य है. सहयुक्त महाविद्यालयों के प्राचार्य, जिन्हें एनएसएस की पृष्ठभूमि एवं सहा आचार्य का दर्जा प्राप्त है, उन्हें भी समन्वयक की नियुक्ति करने पर विचार किया जा सकता है. कार्यक्रम अधिकारी के पद पर न्यूनतम तीन साल तक रहे हों.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

बड़े सेमिनार कराएं विभाग के एचओडी : कुलपति

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयको की बैठक की। इस बैठक में कहा कि जिस प्रकार से वाणिज्य विभाग वनस्पति विभाग अपने यहां सेमिनार कराते है और उनके यहां लगभग 800 से लेकर 1300 प्रतिभागी आते है आप लोग भी इस प्रकार के सेमिनार अवश्य करें। इसके बाद उन्होंने बताया की आगामी जनवरी 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अधिवेशन कराने जा रहा है जो 14 सेक्शंस में होगी, उनके अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए है। सात और सेक्शंस में अन्य विषयों की संगोष्ठी आयोजित कराई जाएंगी।

इस अधिवेशन के आयोजन सचिव एस पी त्रिवेदी है, जबकि प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा और पूनम टंडन भी है। उन्होंने कहा कि अपने अपने पाठ्यक्रम में छात्र संख्या पर विशेष ध्यान दें। एक समय था जब ओरिएंटल पर्शियन में तीन चार छात्र रहते थे लेकिन वहां के शिक्षक डॉ सुभान आलम के प्रयास से वर्तमान में लगभग 144 छात्र अध्ययन कर रहे है। इसी प्रकार उन्होंने सभी पाठ्यक्रमों में छात्र स्थित की समीक्षा करते हुए सभी को अवगत भी कराया।

14 सेक्शंस में होगी ऑल इंडिया विज्ञान कांग्रेस, अध्यक्ष नियुक्त सुभान आलम की थपथपाई पीठ

JAGRAN CITY PAGE III

स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं तीन पालियों में!

लखनऊ विश्वविद्यालय कर सकता बड़ा बदलाव, कुलपति ने डीन व हेड की बैठक

लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीन, हेड व निदेशको के साथ बैठक की ● सौ. से लवि.

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक की आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के संचालन में बड़ा बदलाव कर सकता है। यह परीक्षाएं अब दो की जगह तीन पालियों में कराने की तैयारी है। इसको लेकर मंथन चल रहा है। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने गुरुवार को व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में हुई डीन, हेड व निदेशकों की बैठक में यह जानकारी साझा की।

अभी तक दो पालियों में स्नातक की परीक्षाएं होने से काफी दिनों तक इसका संचालन होता है। तीन पालियों में परीक्षाएं कराने से कम समय में परीक्षाएं सम्पन्न कराई जा सकेंगी। कुलपति ने सभी विभागों से कहा कि पाठ्यक्रम जल्द पूरा करा लें, जिससे परीक्षा जल्दी संपन्न कराई जा सके। परास्नातक परीक्षा में 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें पांच प्रश्न के उत्तर देने होंगे। वहीं, स्नातक स्तर पर इस सेमेस्टर में भी बहुविकल्पीय परीक्षा कराई जाएगी। बीकाम छठे सेमेस्टर कीक परीक्षाएं जून में कराने की तैयारी है।

एमबीए, बीटेक, विधि की परीक्षाएं इसी माह से : एमबीए, बीटेक और विधि सम सेमेस्टर की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह से शुरू हो सकती हैं। वहीं, बीकाम छठे सेमेस्टर की परीक्षा जून में शुरू कराने की तैयारी चल रही है। कुलपति ने कहा कि सभी विभाग पाठ्यक्रम में छात्र संख्या पर विशेष ध्यान दें। एक समय था जब ओरिएंटल पर्शियन में तीन चार छात्र रहते थे, लेकिन वहां के शिक्षक डा. सुभान आलम के प्रयास से वर्तमान में लगभग 144 छात्र अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने सभी पाठ्यक्रमों में छात्र स्थित की समीक्षा करते हुए सभी को अवगत भी कराया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस में हर शिक्षक करें सहयोग : जनवरी 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में 14 सेक्शन होंगे। सात और सेक्शन में अन्य विषयों की संगोष्ठी आयोजित कराई जाएंगी। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से अपेक्षा की कि अपने स्तर से जो जैसा सहयोग कर सकता है वह करें। यदि कोई शिक्षक अपने घर में किसी छात्र या शिक्षक प्रतिभागी को ठहरने की व्यवस्था कर सकता है तो वह गूगल फार्म के जरिए सभी जानकारी विश्वविद्यालय से शेयर करें।

सभी विभाग कराएं अवश्य कराएं : कुलपति ने कहा कि वाणिज्य और वनस्पति विभाग तरह अन्य सभी लोग भी अपने यहां सेमिनार अवश्य करें। इस अवसर पर सभी विभागों से अपेक्षा है कि वे रूसा के अंतर्गत आने वाले अपने प्रस्ताव को शीघ्र भेज दें। अपने यहां पूर्व छात्रों के सेल को विकसित करें और विभागीय एकेडमिक आडिट को पूर्ण कराएं।

50 से अधिक उम्र तो नहीं बन सकेंगे एनएसएस समन्वयक

जासं, लखनऊ : राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में समन्वयक के पद पर नियुक्ति के लिए 31 मई तक आवेदन मांगे गए हैं। विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में सह आचार्य या सहायक आचार्य पद पर कार्यरत शिक्षक आवेदन के लिए पात्र हैं। कुलसचिव संजय मेधावी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कालेजों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया है। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक के चयन के समय आवेदन की उम्र 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन पत्र पंजीकृत डाक से कुलसचिव के पास 31 मई तक पहुंचना अनिवार्य है। सहयुक्त महाविद्यालयों के प्राचार्य, जिन्हें एनएसएस की पृष्ठभूमि एवं सहा आचार्य का दर्जा प्राप्त है, उन्हें भी समन्वयक की नियुक्ति करने पर विचार किया जा सकता है। कार्यक्रम अधिकारी के पद पर न्यूनतम तीन साल तक रहे हों।

समावेशी व न्यायसंगत कक्षा वातावरण बनाने पर जोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की तरफ से गुरुवार को कक्षा कक्ष में बहुसंस्कृतिवाद और संस्कृति उत्तरदायी पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का उद्देश्य विविधता को महत्व देने वाले समावेशी और न्यायसंगत कक्षा वातावरण बनाने में अंतर्दृष्टि प्रदान करना था। शिक्षा विभाग के अध्यक्ष व डीन प्रो. दिनेश कुमार ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह व्याख्यान हमारे संकाय और छात्रों को समावेशी और न्यायसंगत कक्षा वातावरण बनाने पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा, जो सभी छात्रों के लिए सीखने को बढ़ावा देगा। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली से शिक्षा के क्षेत्र में प्रसिद्ध शिक्षक डॉ इंद्रजीत दत्ता द्वारा व्याख्यान दिया गया। डॉ दत्ता ने बहुसंस्कृतिवाद और संस्कृति उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र पर अपनी विशेषज्ञता साझा की और बताया कि कैसे शिक्षक इन अवधारणाओं को अपनी शिक्षण रणनीतियों में शामिल कर सकते हैं। डॉ किरण लता डंगवाल ने कार्यक्रम का सफल समन्वयन किया। डॉ आकांक्षा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। व्याख्यान में संकाय सदस्यों, तथा छात्रों ने भाग लिया।

PIONEER PAGE 3

अतिथि बनाने के लिए शिक्षकों को देनी होगी गूगल फार्म पर जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनवरी 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रस्तावित भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अधिवेशन में शामिल होने आये शिक्षकों व प्रतिभागियों को कोई शिक्षक अपने आवास पर अतिथि के रूप में बुलाना चाहता है, तो उन्हें इसकी जानकारी गूगल फार्म के जरिए विवि को देनी होगी। जिससे अधिवेशन की तैयारियों को संपन्न कराने में सहायता मिल सके।

गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयको की बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी को विश्वविद्यालय को प्राप्त एजु रैंक के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के लिए उपक्रम मिलना एक बड़ी उपलब्धि थी। इसके बाद उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से वाणिज्य विभाग, वनस्पति विभाग अपने यहां सेमिनार कराते हैं और उनके यहां लगभग 800 से लेकर 1300 प्रतिभागी आते हैं। आप लोग भी इस प्रकार के सेमिनार अवश्य करें।

बैठक में सांइस कांग्रेस का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन 14 सेक्शंस में होगी, उनके अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए हैं। सात और सेक्शंस में अन्य विषयों की संगोष्ठी आयोजित कराई जाएंगी। इस अधिवेशन के आयोजन सचिव एस पी त्रिवेदी हैं। जबकि स्थानीय सचिव प्रोफेसर पूनम टंडन और प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा है। उन्होंने कहा कि आप सब से अपेक्षित है कि पाठ्यक्रम शीघ्र पूर्ण करा लें जिससे परीक्षा जल्दी संपन्न कराई जा सके। परास्नातक परीक्षा में 10 प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से 5 के उत्तर देने होंगे। जबकि स्नातक स्तर पर इस सेमेस्टर में बहुविकल्पीय परीक्षा कराई जाएगी। स्नातक स्तर पर परीक्षा तीन पारियों में हो सकती है। एमबीए, बी टेक और विधि की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह से शुरू हो सकती है और बीकॉम छठें सेमेस्टर की परीक्षा जून में प्रारंभ हो सकती है। उन्होंने कहा कि अपने अपने पाठ्यक्रम में छात्र संख्या पर विशेष ध्यान दें। एक समय था जब ओरिएंटल पर्शियन में तीन चार छात्र रहते थे लेकिन वहां के शिक्षक डॉ सुभान आलम के प्रयास से वर्तमान में लगभग 144 छात्र अध्ययन कर रहे हैं। इसी प्रकार उन्होंने सभी पाठ्यक्रमों में छात्र स्थित की समीक्षा करते हुए सभी को अवगत भी कराया। बैठक में उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे रूसा के अंतर्गत आने वाले अपने अपने प्रस्ताव को शीघ्र भेज दें। अपने यहां पूर्व छात्रों के सेल को विकसित करें और विभागीय एकेडमिक ऑडिट को पूर्ण कराएं।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर एक निबंध प्रतियोगिता का आज आयोजन किया गया। जिसका विषय सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में संग्रहालयो की भूमिका था। इसमें कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरांत छात्रों को संग्रहालय के विषय में जानकारी दी गई तथा विभागीय संग्रहालय में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। प्रतियोगिता में नि छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया, उनमें बीए चतुर्थ सेमेस्टर के अरिंदम चौधरी को प्रथम पुरस्कार, बीए ऑनर्स छठें सेमेस्टर की श्रद्धा यादव को दूसरा पुरस्कार और बीए चौथे सेमेस्टर के एकांश अवस्थी और बीए द्वितीय सेमेस्टर के राजन केसरी शामिल थे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

पूर्व मध्यकाल तक की पांडुलिपियां देखी

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के कई विभागों में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया गया। इसके मद्देनजर प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में निबंध प्रतियोगिता हुई। इसमें 25 विद्यार्थियों ने 'सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में संग्रहालयो की भूमिका पर अपने विचार लिखे। साथ ही विभागीय संग्रहालय में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यहां छात्रों को प्रागैतिहासिक उपकरणों, सिंधु सरस्वती सभ्यता काल से लेकर पूर्व मध्यकाल तक के कलाकृतियों, उत्खनित पुरावशेषों, शैलकृत वास्तु, स्तूप, मंदिरों की प्रतिकृतियों तथा पांडुलिपियों से अवगत कराया गया।

पूरे दिन खुला रहा डॉ. एससी बाघ संग्रहालय

जंतु विज्ञान विभाग में पूरे दिन डॉ. एससी बाघ संग्रहालय खुला रहा। इस मौके पर एक व्याख्यान भी रखा गया था। यहां शिक्षिकाओं ने संग्रहालय दिवस की थीम संग्रहालय- स्थिरता और भलाई पर अपनी राय रखी। विभाग की प्रो. अमिता कनौजिया द्वारा एक सूचनात्मक और इंटरैक्टिव संबोधन दिया गया। जबकि डॉ. कल्पना सिंह ने प्रकृति, जीवन और पारिस्थितिक स्थिरता और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। साथ ही इसके बारे में जागरूकता पैदा करने में संग्रहालयों के महत्व को भी समझाया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

VoL PAGE 6

लविवि कुलपति ने अधिवेशन को लेकर खींचा खाका

शिक्षकों से जल्दी कोर्स पूरा करने के दिये निर्देश

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में विवि के सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयकों की बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी को विश्वविद्यालय को प्राप्त ईडीयू रैंक के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के लिए उपक्रम मिलना एक बड़ी उपलब्धि थी। इसके बाद उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से वाणिज्य विभाग और वनस्पति विभाग अपने यहां सेमिनार कराते हैं और उनके यहां लगभग 800 से लेकर 1300 प्रतिभागी आते हैं आप लोग भी इस प्रकार के सेमिनार अवश्य करें।

इसके बाद उन्होंने बताया कि आगामी जनवरी 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अधिवेशन कराने जा रहा है जो 14 सेक्शंस में होगी, उनके अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए हैं। सात और सेक्शंस में अन्य विषयों की संगोष्ठी आयोजित करायी जाएंगी। इस अधिवेशन के आयोजन सचिव एसपी त्रिवेदी हैं, जबकि स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन और प्रो. गीतांजलि मिश्रा है। इसके विषय में बताते हुए उन्होंने सबसे अपेक्षा की कि विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक अपने अपने स्तर से जो जैसा सहयोग कर सकता है वह वैसा सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई शिक्षक अपने घर में किसी छात्र या शिक्षक प्रतिभागी को रुकाना चाहता है अथवा कोई महिला शिक्षिका अपने घर पर महिला प्रतिभागी को रुका सकती है, तो वह गूगल फॉर्म के जरिए समस्त जानकारी विवि से शेयर करें जिससे अधिवेशन की तैयारियों को संपन्न कराने में सहायता मिले। इसके बाद उन्होंने कहा कि आप सबसे अपेक्षित है कि पाठ्यक्रम शीघ्र पूर्ण करा लें जिससे परीक्षा जल्दी संपन्न कराई जा सके।

● लविवि कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों, निदेशक व समन्वयकों के साथ की बैठक

LOKSATYA PAGE 3

संग्रहालय दिवस पर एलयू में व्याख्यान आयोजित

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया गया। प्रो. अमिता कनौजिया द्वारा एक सूचनात्मक और इंटरेक्टिव व्याख्यान का आयोजन किया गया था और जूलॉजी के डॉ. एससी बाघ संग्रहालय को पूरे दिन के लिए खोला गया था। डॉ. कल्पना सिंह ने हमारे ग्रह और इसके निवासियों की कहानी को आकर्षक शिक्षा-मनोरंजक तरीके से बताने में संग्रहालयों के महत्व पर ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का विषय संग्रहालयः स्थिरता और भलाई संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण, जलवायु कार्रवाई और भूमि पर जीवन के सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करना था। डॉ सिंह ने प्रकृति, जीवन और पारिस्थितिक स्थिरता और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने में संग्रहालयों के महत्व को समझाया।

AMRIT VICHAR PAGE 8

लखनऊ विश्वविद्यालय

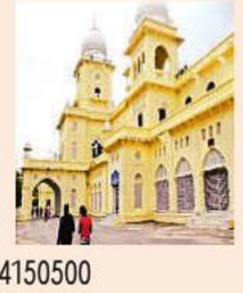

- आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई
- वेबसाइट : www.lkouniv.ac.in
- स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों में सीटें : 4500
- रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) में पंजीकरण
- असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर :- 0522-4150500
- आवेदन शुल्क : सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी के लिए : 800 रुपये
- एसटी : 400 रुपये, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए : 400 रुपये
- बीसीए-बीबीए, डीफार्मा : सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी के लिए : 1000 रुपये
- एससी-एसटी : 500, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपये

बीएलएड : सामान्य में ईडब्ल्यूएस और ओबीसी के लिए : 1600 रुपये

- एससी-एसटी के लिए : 800, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए : 800 रुपये

दाखिले : प्रवेश परीक्षा : 15 से 25 जून प्रस्तावित